वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 214 | शनिवार 30 नवम्बर 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

स्वायत्त शासन विभाग की समीक्षा बैठक

नगर निकायों में आधारभूत विकास कार्य समय से हों पूरे आमजन की सहूलियतों में वृद्धि राज्य सरकार की प्राथमिकता: मुख्यमंत्री शर्मा

मुख्यमंत्री शर्मा शुक्रवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में स्वायत्त शासन विभाग की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वित्तीय वर्ष 2024-25 की बजट घोषणाओं को गुणवत्ता के साथ समय से पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रदूषण मुक्त सुगम यातायात के लिए प्रमुख शहरों में इलेक्ट्रिक बसों के संचालन की कार्ययोजना को जल्द पूरा किया जाए।

जयपुर. कासं

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य के नगर निकायों में आधारभूत विकास कार्यों के माध्यम से आमजन की सहूलियतों में वृद्धि राज्य सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि केन्द्र व राज्य सरकार की नगरीय निकायों से संबंधित महत्वपूर्ण योजनाओं का धरातल पर समयबद्धता के साथ क्रियान्वयन किया जाए जिससे विकसित राजस्थान की संकल्पना साकार हो सके। मुख्यमंत्री शर्मा शुक्रवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में स्वायत्त शासन विभाग की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वित्तीय वर्ष 2024-25 की बजट घोषणाओं को गुणवत्ता के साथ समय से पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रदूषण मुक्त सुगम यातायात के लिए प्रमुख शहरों में इलेक्ट्रिक बसों के संचालन की कार्ययोजना को जल्द पूरा किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को जयपुर सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विसेज के तहत 300 सीएनजी बसों के संचालन के लिए जरूरी कार्यवाही प्रारम्भ करने के निर्देश दिए।

अन्नपूर्णा रसोई में भोजन की गुणवत्ता हो सुनिश्चित, अधिकारी करें औचक निरीक्षण

शर्मा ने कहा कि पीएम आवास योजना शहरी 2.0 अहम योजना है, इसकी निरंतर समीक्षा करते हुए जरूरतमंदों को लाभान्वित किया जाए। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना मेहनतकश व्यक्ति के लिए मददगार साबित हो रही है। इस योजना के तहत चरणबद्ध किश्तों को समय से जारी कर पात्र व्यक्ति को लाभान्वित किया जाए। उन्होंने प्रदेश में संचालित अन्नपूर्णा रसोई योजना की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि आमजन को परोसे जाने वाले भोजन की गुणवत्ता सदैव सुनिश्चित रहे, साफ-सफाई का ध्यान रखा जाए एवं समय-समय पर इन रसोइयों का औचक निरीक्षण भी किया जाए। शहरों के आधारभूत विकास कार्यों को करें पूर्ण

मुख्यमंत्री ने कहा कि अमृत 2.0 के तहत शहरी निकायों में जलापूर्ति, सीवरेज, जल निकायों के जीर्णोद्धार कार्यों में गति लाई जाए जिससे आमजन लाभान्वित हो सके। उन्होंने स्वच्छ भारत मिशन 2.0 के तहत सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट, यूज्ड वाटर मैनेजमेंट एवं सैनिटेशन कार्यों की समीक्षा की एवं इन्हें समय से पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्मार्ट सिटी मिशन के तहत चल रहे विकास कार्यों की प्रगति की भी जानकारी ली। उन्होंने कहा कि रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्धता के साथ राज्य सरकार कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री शहरी रोजगार गारंटी योजना के माध्यम से पात्र व्यक्ति को इस योजना से लाभान्वित किया जाए। शर्मा ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि राजस्थान शहरी अवसंरचना विकास परियोजना के तहत पेयजल, सीवरेज, ड्रेनेज एवं शहरी सौन्दर्यकरण के विभिन्न विकास कार्यों को समय से पूरा किया जाए। उन्होंने सफाई मित्र सम्मान योजना को शीघ्र प्रारंभ करने के संबंध में आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए। इस अवसर पर स्वायत्त शासन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) झाबर सिंह खर्रा, मुख्य सचिव सुधांश पंत, अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त अखिल अरोड़ा, अतिरिक्त मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय शिखर अग्रवाल, प्रमुख शासन सचिव स्वायत्त शासन राजेश यादव, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय आलोक गुप्ता, निदेशक स्थानीय निकाय कुमार पाल गौतम, आयुक्त नगर निगम ग्रेटर श्रीमती रूक्मणि रियार, आयुक्त नगर निगम हैरिटेज अरूण कुमार हसीजा सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

सरकार की वर्षगांठ के सप्ताह का आयोजन

राज्य सरकार के एक साल पूरा होने पर एक सप्ताह तक अनेक कार्यक्रम होंगे। इस सप्ताह में तीन दिन का राइजिंग राजस्थान इन्वेस्ट समिट शामिल होगा। इसकी शुरूआत 9 दिसंबर को होगी और समापन 15 दिसंबर को। इसी दौरान सरकार न केवल एक साल के काम का ब्यौरा एक प्रदर्शनी के माध्यम से रखा जाएगा। कई नई घोषणाएं की जाएंगी। इनमें खेती-किसानी, पशुपालन से लेकर युवाओं, महिलाओं व सभी वर्ग के लिए कुछ न कुछ शामिल होगा। सरकार एक साल पूरा होने रोजगार उत्सव करेगी। इस दौरान 79,304 पदों पर भर्तियों का विज्ञापन जारी करेगी। इसी के तहत 14565 युवाओं को नौकरियों के नियुक्ति पत्र भी सौंपेगी। इनके अलावा युवा उद्यमियों के लिए 150 स्टार्टअप को राजस्थान स्टार्टअप पॉलिसी के तहत फंडिंग कराई जाएगी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सहित दोनों उप मुख्यमंत्रियों ने पिछले वर्ष 15 दिसंबर को पद की शपथ ली थी। अब सीएम एक साल पूरा होने पर ऐसी अनेक नई योजनाओं की घोषणा करेंगे।

सुधासागरजी महाराज के आगमन के बाद क्षेत्र विकसित हो गया-जनपद अध्यक्ष

थूवोनजी में हुई जगत कल्याण के लिए शान्तिधारा

आज तीर्थ क्षेत्र पर सुविधाओं का विस्तार हुआ है: विजय धुर्रा

अशोक नगर. शाबाश इंडिया

थूवोनजी को हमने तव से देखा है जव यहां एक छोटी सी धर्मशाला थी हमारे पूर्वजों ने यहां भगवान आदिनाथ स्वामी के विशाल मन्दिर का निर्माण कराया वर्षों की प्रतीक्षा के बाद मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज का यहां आगमन हुआ और जिस तरह से उन्होंने इस तीर्थ क्षेत्र के विकास की प्रेरणा दी इस तीर्थ भूमि का नजारा ही बदल गया आज यहां आकर शान्ति धारा महाभिषेक देख कर हृदय में आनंद वरष रहा है उक्त आश्य केउद्गार मुंगावली जनपद पंचायत अध्यक्ष वरिष्ठ भाजपा नेत्री श्रीमती विजय लक्ष्मी जैन ने शान्ति धारा के दौरान व्यक्त किए।

भक्तों के प्रति दिन मंडलों में आने से विकास को गति मिली: विजय धुर्रा

इसके पहले मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने कहा कि आज हमारे बीच हमारे समाज के गौरव पूर्व अचलगढ परिवार से जनपद पंचायत मुंगावली अध्यक्ष श्री मति

विजय लक्ष्मी जी कुमर धर्मेन्द्र कुमार प्रमेन्द्र कुमार सिंह आये इनका कमेटी बहुमान करती है परम पूज्य आध्यात्मिक संत निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी ने यहां जो मंडलों की व्यवस्था वनकर रोज रोज आसपास के अंचल से आने वाले भक्तों की श्रंखला बनवाई उसी का परिणाम है कि आज चारों ओर विकास दिख रहा है आज यदि चार पांच सो से अधिक यात्रियों को कमेटी सभी सुविधाएं देने में सक्षम हो गई है

जगत कल्याण की कामना करते हुए महा शान्ति धारा

इसके पहले आज अतिशय क्षेत्र दर्शनोंदय तीर्थ थूवोनजी के खड़े बाबा भगवान श्री आदिनाथ स्वामी का चार इन्द्र कुमर धर्मेन्द्र कुमार प्रमेन्द्र कुमार अचलगढ कमेटी के मंत्री शैलेन्द्र दददा प्रदीप जैन रानी पदम जैन विकास जैन संजीव मोदी संजय जैन सहित अन्य भक्तों ने अभिषेक किया पूर्व महामंत्री विपिन सिंघई के मंत्रोकचार के बीच जगत कल्याण की कामना के लिए महा शान्ति धारा की गई जिसका सौभाग्य भी सभी प्रमुख पात्रों को मिला जिनका सम्मान कमेटी की ओर से पूर्व महामंत्री विपिन सिंघई विजय धुर्रा सोनू बगुल्या रिक्की जैन मोनू वाटा सोनू वरखेड़ा नरेंद्र जनता सहित अन्य प्रमुख जनो ने किया।

ये मानव जीवन कर्मों से मुक्ति प्राप्त करने के लिए मिला है

अशोक नगर। ये मानाव जीवन कर्मों से मुक्ति प्राप्त करने के लिए मिला है कर्मो का वंधन प्रत्येक जीव को हर समय हो रहा है शुभ और अशुभ दोनों प्रकार के कोई ना कोई कर्म वंधते रहते हैं इनसे मुक्त होने के लिए कर्मो की निर्जरा मनुष्य को स्वयं पुरुषार्थ पूर्वक करने करना होती है यदि तुम चाहो तो कर्मो की निर्जरा कर सकते हैं जो व्यक्ति धूप से झुलस रहा है उसे छाया की जरूरत है जिसे धूप की अनुभूति ना हो उसे छाया कीआवश्यकता भी नहीं है संसारी प्राणी सुख के साथ दुखी अधिक होता है और इतना दुखी हो जाता है कि उसे परमात्मा प्रभु भगवान की शरण याद आती है इस संसार में जव आपको दुःख से मुक्ति की अभिलाषा जागेगी तव ही आप मार्ग पर चलने की जरूरत अंदर से जागेगी उक्त आश्य केउद्गार सुभाष गंज मन्दिर में धर्म सभा को सम्बोधित करते हुए आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के शिष्य मुनिश्री अरह सागर जी महाराज ने व्यक्त व्यक्त किए।

चिंतामणि पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर, जयपुर में हुआ पूजन विधान

जयपुर. शाबाश इंडिया

महातपस्वी महर्षिआचार्य श्री 108 कुशाग्र नंदीजी गुरुदेव के सानिध्य में सकल दिगंबर जैन समाज जयपुर एवं मोहनपुरा, मुहाना के आस- पास में बनी नयी कालोनी के साधर्मी बन्धुओं ने 2019, 2020 के दो चातुर्मास एवं 2021 की दीपावली पर इस प्रकार लगातार तीन वर्षों तक भगवान महावीर के मोक्ष कल्याणक पर्व पर निर्वाण लाडू चढ़ा कर पुण्य का सचंय किया। उमेश कुमार, धीरज-चित्रा, अविकार-प्रियंका, मनोज,यशु, पुर्वी करुणा, मुकेश- मैना जैन, अरुणा, लोकेश- मीनाक्षी पाटोदी परिवार श्रीराम कालोनी, मान्यावास वालों द्वारा 64 रिद्धि विधान मंड़ल पर आंरम्भ करने से पूर्वक्ष अभिषेक, शान्तिधारा करके पुण्य का संचय किया। अध्यक्ष पवन कुमार जैन ने बताया कि 64 रिद्धि विधान मड़ल पुजा में बैठने वाले साधर्मी पाटोदी परिवार के साथ डा.कमल- किरण देवी, राजकुमार जी बाकलीवाल, विमल-बेला, भानु-आशा, अजय- प्रतिभा, हरीश- शशि, माहीपाल - रीना, संजय- निधी, सुधीर- आरती, सुनील, दीपक- प्रिया, रजत- ख्याति बाकलीवाल, मान्यावास वाले, सुभाष गोदीका, पवन-सरोज, अनिल -आशा, अभिषेक-शिप्रा, प्रतीक- रुचि, अनुज-भुमिका, धमेंन्द्र -मीना गोदीका परिवार, संजय पाटनी, मनोज जैन, दिनेश जैन ईशरदा वाले, पारस विहार, वालों ने 64 रिद्धि विधान मंडल पुजा में बैठकर पुण्य का संचय किया।

वेद ज्ञान

हर जगह शांति का अभाव

विश्व में यद्यपि धन का अभाव नहीं है, किंतु शांति का अभाव अवश्य है। धनोपार्जन के लिए इतनी अधिक जनशक्ति को दिग्भ्रमित किया जा रहा है कि सामान्य जनता की रुपए कमाने की क्षमता अधिकाधिक बढ़ गई है, किंतु इसका दीर्घकालीन परिणाम यह हुआ है कि इस अनियंत्रित और अन्यायपूर्ण मुद्रास्फीति से पूरे विश्व की अर्थव्यवस्था बिगड़ गई है और उसने ऐसे सस्ते धनोपार्जन के फल को ही नष्ट करने के लिए हमें बड़े-बड़े भारी लागत के शस्त्रास्त्र बनाने के लिए उकसाया है। धनोपार्जन करने वाले बड़े देशों के नेता लोग वास्तव में शांति का अनुभव नहीं कर रहे हैं, बल्कि आणविक अस्त्रों के द्वारा आसन्न विनाश से अपनी सुरक्षा की योजनाएं बना रहे हैं। वस्तुतः इन भयंकर अस्त्रों के परीक्षण के रूप में विपुल धन-राशि समुद्र में फेंकी जा रही है। ऐसे परीक्षण न केवल भारी आर्थिक लागत पर किए जा रहे हैं, बल्कि अनेक प्राणियों के जीवन को संकट में डालकर भी हो रहे हैं। इस प्रकार विश्व के राष्ट्र कर्मफल के नियमों से बंधते जा रहे हैं। जब लोग इंद्रियतृप्ति की भावना से प्रेरित होते हैं तो जो भी धन कमाया जाता है वह नष्ट हो जाता है, क्योंकि उसका व्यय मानव जाति के संहार के लिए होता है। इस प्रकार मनुष्य के भगवान से विमुख होने के कारण मानवजाति की शक्ति नष्ट हो जाती है। ऐसा इसलिए, क्योंकि श्रीभगवान ही समस्त शक्तियों के स्वामी हैं। धन-संपदा की पूजा होती है उसे भाग्य की देवी या मां लक्ष्मी कहा जाता है। कोई भी मनुष्य भाग्यलक्ष्मी का उपभोग श्रीनारायण की सेवा के बगैर नहीं कर सकता। इसलिए जो व्यक्ति लक्ष्मीजी का गलत उपयोग करना चाहेगा, उसे प्रकृति के नियमों द्वारा दंडित होना पड़ेगा। ये नियम निश्चित करेंगे कि धन-संपदा स्वयं शांति और संपन्नता लाने के बजाय विनाश का कारण बन जाएगी। इसलिए धन के इस्तेमाल के प्रति हमें अपने विवेक का परिचय देना चाहिए और यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि जो भी धन है उसका मानव कल्याण के लिए सदुपयोग हो। अगर धन के इस्तेमाल के प्रति हमारे मन के भीतर भोग की भावना होगी तो उस धन का अपव्यय ही होगा और हमारा अपना आंतरिक नुकसान भी होगा। धन का सदुपयोग ही हमारे भीतर शांति और वास्तविक सुख लाता है।

संपादकीय

समाज में हिंसा के बीज...

करीब तीन महीने पहले बांग्लादेश में जब एक अप्रत्याशित घटनाक्रम के बीच तख्तापलट के बाद नई अंतरिम सरकार ने काम करना शुरू किया था, तब उम्मीद की गई थी कि वह अब सबके हित को मकसद बना कर नई राह पर चलेगी। मगर अब वहां से जैसी खबरें आ रही हैं, वे यही बताती हैं कि बांग्लादेश शायद फिर से एक नई समस्या के दौर में दाखिल हो रहा है। यह विडंबना ही है कि नई अंतरिम सरकार ने सबको साथ लेकर

चलने का भरोसा दिया था, लेकिन अब वहां के अल्पसंख्यक समुदायों के सामने बेहद जटिल स्थिति खड़ी हो रही है और उनके साथ होने वाले बर्ताव से ऐसा लगता है कि उन्हें देश में दोयम दर्जे का नागरिक माना जाएगा। अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि वहां सामुदायिक टकराव की स्थिति बन रही है और सरकार उसका कोई समाधान निकालने के बजाय अल्पसंख्यकों के खिलाफ नाहक आक्रोश को रोक नहीं पा रही है। गौरतलब है कि कुछ समय से लगातार ऐसी आवाजें उठ रही हैं कि बांग्लादेश की नई अंतरिम सरकार के जिम्मेदारी संभालने के बाद स्थानीय हिंदू समुदाय के साथ कई स्तर पर भेदभाव किए जा रहे हैं और सरकार उन्हें रोकने के बजाय अपनी आंखें मूंदे हुए है। जबकि बांग्लादेश में बगावत के बाद नए दौर की शुरूआत के साथ लोगों ने वहां सद्भाव और समावेशी राह की नई हवा बहने की उम्मीद की थी। फिलहाल स्थिति यह है कि वहां की पुलिस ने इस्कान समूह से जुड़े रहे चिन्मय कृष्ण दास को गिरफ्तार कर लिया। हालांकि वहां उन पर राष्ट्रीय झंडे को अपमानित करने का हवाला देकर राष्ट्रद्रोह का आरोप लगाया गया है, मगर इस आरोप की हकीकत तो जांच से ही सामने आएगी। इसके बाद बांग्लादेश की नई सरकार के इस रुख पर सवाल उठने लगे हैं कि पिछली सरकार को तानाशाही बता कर सत्ता में आने के बाद क्या अब उसका रवैया धार्मिक अल्पसंख्यकों के प्रति पनप रहे विद्वेष को तुष्ट करने वाला होगा। कहने को बांग्लादेश की सरकार इस तरह के आरोपों से इनकार करती है, लेकिन आखिर क्या वजह है कि वहां हिंदुओं सहित अन्य अल्पसंख्यक समुदायों की ओर से अपने खिलाफ माहौल पैदा करने के आरोप लगाए जा रहे हैं और सरकार अपने रवैये से इस समस्या का कोई सौहार्दपूर्ण हल निकालने के बजाय असंतोष को बढ़ावा दे रही है। सवाल है कि अगर बांग्लादेश में पूर्व की सरकार पर तानाशाही के आरोप थे और आम जनता ने उसके खिलाफ विद्रोह करके उसे सत्ता से हटाया, तो नए दौर के शुरूआती महीनों में ही वहां से ऐसी तस्वीरें क्यों सामने आने लगी हैं। फिलहाल जिस तरह के हालात पैदा हो रहे हैं, अगर सरकार ने उस पर तत्काल लगाम लगाने के ठोस उपाय नहीं किए तो सामुदायिक टकराव चिंताजनक रास्ता भी अख्तियार कर सकता है। हालांकि बांग्लादेश इसे अपना घरेलू मामला बता रहा है, लेकिन पड़ोसी देश में इस तरह की घटनाओं का व्यापक असर पड़ सकता है। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

संविधान की शक्ति

देश का संविधान अपनी हीरक जयंती मना रहा है, तो इस अवसर पर संसद के केंद्रीय कक्ष में आयोजित समारोह के महत्व और जम्मू-कश्मीर में पहली बार संविधान दिवस मनाए जाने के निहितार्थ बखूबी समझे जा सकते हैं। भारत और इसके नागरिकों के लिए यह वाकई गर्व की बात है कि जब-जब देश को जरूरत पड़ी, उसके पुरखों द्वारा वर्षों की मेहनत से तैयार इस पवित्र और सुदीर्घ ग्रंथ ने देश व देशवासियों का मार्गदर्शन किया। देश के लोग अपने संविधान से कितने जुड़े हैं और उनकी निगाह में इसका क्या सम्मान है, हालिया आम चुनाव के जनादेश ने शिद्दत से इसका एहसास कराया है। इसलिए राष्ट्रपति ने भारतीय की ताकत को रेखांकित करते हुए उचित ही कहा कि ह्यबदलते समय की मांग के अनुसार नए विचारों को अपनाने की व्यवस्था हमारे दूरदर्शी संविधान निमार्ताओं ने बनाई थी। हमने संविधान के माध्यम से सामाजिक न्याय और समावेशी विकास के अनेक बड़े लक्ष्यों को प्राप्त किया है। गौर कीजिए जिस आई तैयार हो रहा था तब हिन्दुस्तान की आबादी लगभग 36 करोड़ थी, आज वह संविधान 140 करोड़ से अधिक भारतीयों के हितों का संरक्षण कर रहा है। ऐसा नहीं है कि भारतीय संविधान के आगे चुनौतियां नहीं आई। संविधान को लागू हुए जितने पाल गुजरे हैं, उनके मुकाबले यदि अनुच्छेद 356 के उपयोगऔर सरकारों की बस्ती की संख्या को ही मिले तो इसकी पुनीतियां स्पष्ट हो जाएंगी। अब तक 130 से भी अधिक बार इस अनुच्छेद का इस्तेमाल किया जा है फिर 1975 का आपका तो इस पर थोपे गए संकटका सबसे बड़ा उदहरण है। कई बार विधायक व व्यापालिका में तो कई बार कार्यपालिका व न्यायपालिका के बीच तनातनी की स्थितियां बनी मगर हरेक बार संविधान ने ही रास्ता दिखाया और मर्यादित समाधान निकल सके। अनुच्छेद 356 के दुरुपयोग पर अब वैधानिक अंकुश लग चुका है,जिससे संघीय ढांचा मजबूत हुआ है। दो दिन पहले ही संविधान की प्रस्तावना से 'समाजवाद' और 'पंथनिरपेक्ष' शब्दों को निकालने के लिए दायर याचिका को खारिज करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने जो टिप्पणी की यह आश्वस्त करती है कि संविधान के बुनियादी ढांचे के साथ किसी किस्म की दुस्साहसिक छेड़छाड़ मुमकिन नहीं है। हमारे इर्द-गिर्द के लोकतंत्रों की दुर्दशा भी बताती है कि भारतीय संविधान के निमार्ता कितने दूरदर्शी और काबिल लोग थे हमारे साथ ही आजाद हुए कई पड़ोसी लोकतंत्र जो तब आर्थिक मोर्चे पर हमसे कहीं बेहतर स्थिति में थे, आज दिवालिया होने के मुहाने पर हैं, जबकि भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया को पांच सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुकी है। भारतीय लोकतंत्र की कामयाबी और इसकी राजनीतिक स्थिरता का इसमें बड़ा योगदान है। जिस सहजता के साथ यहाँ सत्ता का हस्तांतरण होता रहा और इसके राजनीतिक व ने लोकतात्रिक मूल्यों का निर्वाह किया है, वह दुनिया के लिए नजीर है। जाहिर है, यह स्थिति भारतीय संविधान ने सुनिश्चित किया कि ख की आवाज भी केंद्र तक अवाध पहुंचे। राजसत्ता के शीर्ष पर की उपस्थिति ही बता रही है कि भारतीय संविधान ने जिन तबकों के उत्थान का सपना संजोग है, पचहत्तर वर्षों में उनकी जिंदगी में कितना बदलाव आया है। इसलिए सौ से अधिक संशोधन के बाद भी संविधान की आत्मा अक्षुण्ण है।

रक्तदान शिविर सम्पन्न

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद। भारत विकास परिषद व गोविंदसिंह गुर्जर राजकीय महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को स्वैच्छिक रक्तदान शिविर संपन्न हुआ। शिविर का शुभारंभ मां भारती के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्जवलन कर किया गया। शिविर में 77 जनों ने रक्तदान किया। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ रंजन अग्रवाल ने बताया कि रक्तदान शिविर में जवाहरलाल नेहरू ब्लड बैंक की टीम ने सहयोग प्रदान किया। इस अवसर पर महाविद्यालय एवं भारत विकास परिषद नसीराबाद शाखा के बीच एम ओ यू भी किया गया जिसके तहत एक वर्ष में तीन कार्यक्रमों का आयोजन दोनों संस्थाओं के संयुक्त तत्वावधान में किया जायेगा। मतदाताओं को प्रमाण- पत्र, प्रतीक चिन्ह और तुलसी का पौधा देकर सम्मानित किया गया।

मदभागवत कथा का आज विशाल भंडारे के साथ समापन

रमेश भार्गव. शाबाश इंडिया

ऐलनाबाद । शहर के वार्ड नंबर 9 में स्थित प्राचीन श्रीराम मंदिर के प्रांगण में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के आठवें दिन आज विशाल भंडारे के साथ समापन किया गया.कथा में श्री श्री 108 भरत मुनि जी उदासीन (श्री पंचमुखी मंदिर)महाराज ने श्रद्धालुओं पर ज्ञान वर्षा करते हुए कहा की कलि-दोष शमनार्थ भगवन्नाम महौषधि। भगवान श्री कृष्ण ने अपनी लीलाओं के माध्यम से जीवन के प्रत्येक पक्ष को प्रस्तुत किया है। प्रभु के जीवन चरित मे निहित सन्देशो को हृदयंगम कर मनुष्य अपना सर्वांगीण अभ्युत्थान कर सकता है। जीवन में विपरीत परिस्थितियां आये, संकट आ धेरे, चुनौतियों आ खड़ी हों, तो ऐसे समय में अविचलित रहकर उनसे कैसे पार पाना है ? कैसे उन पर विजय प्राप्त करती है। यह भगवान ने अपने कार्यों के माध्यम से बताया है। एकादश स्कन्ध जीवन का अथाह ज्ञान है। दशम स्कन्ध लीलासिन्धु है तो एकादश स्कन्ध ज्ञान सिन्धु है। इसमे यदुकुल संहार, अवधू तो पाख्यान (दत्तात्रेय की चौबीस गुरुओं की कथा), उद्धव गीता (भगवान द्वारा उद्धव को उपदेश) नव योगेश्वर संवाद, बद्ध और मुक्त पुरुष के लक्षण, भगवान का स्वधाम गमन, कलियुग मे राजधर्म नाम संकीर्तन की महिमा, परीक्षित मोक्ष, तथा शुकदेव जी की विदाई का वर्णन है। प्रभु का नाम संकीर्तन कलियुग के दोषों को शमन करने की रामबाण महौषधि है। जिस फल की प्राप्ति अन्य युगों में घोर तपस्या करने योग समाधि लगाने, बड़े यज्ञ करने तथा भगवान की अर्चना करने से नहीं मिलता उस फल की प्राप्ति कलियुग में सिर्फ नाम संकीर्तन (चलने, फिरते, उठते बैठते, सोते जागते) नाम जप से मिल जाता है। नाम संकीर्तनं यश सर्व पाप प्रणाशनम्। प्रणामों दुःख शमनस्तं नमामि हरिं परम ॥ जिन प्रभु का नाम संकीर्तन जीव के समस्त पाप, ताप, संताप को ध्वस्त कर देता है। ऐसे भगवान श्री हरि को हम बारम्बार प्रणाम करते हैं। भगवन्नाम संकीर्तन के साथ भागवत कथा सप्ताह ज्ञान यज्ञ का पूर्ण विराम हुआ। इस मौके पर भारी संख्या में महिलाएं व पुरुष कथा सुनने के लिए मौजूद थे ।

क्लब की सेवा से 51 जरूरतमंद परिवार के बच्चों को गर्म वस्त्र की सेवा

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

अजमेर। लायंस क्लब अजमेर आस्था द्वारा समाजसेवी लायन राकेश पालीवाल एवं श्री दिगंबर जैन महिला महासमिति अजमेर संभाग की सदस्याओं के सहयोग से उदयपुर जिले के भींडर 5तहसील के भटेवर गांव के आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र भटेवर के 51 जरूरतमंद परिवार के बालक और बालिकाओं के लिए सर्दी से राहत प्रदान कराने के लिए गर्म वस्त्र की सेवा वितरण करने के लिए बाठेडा गांव के सामाजिक कार्यकर्ता मेघराज सोनी को भेंट की गई। क्लब अध्यक्ष लायन रूपेश राठी ने बताया कि कार्यक्रम संयोजक लायन अतुल पाटनी के संयोजन में उदयपुर भेजी गई सेवा को क्लब के पूर्व सदस्य घनश्याम सोनी के माध्यम से जरूरतमंदो तक पहुंचाई जा रही है।

लाडली घर आवासीय विद्यालय को दो गीजर भेंट किए गए

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

अजमेर। लायंस क्लब अजमेर आस्था द्वारा क्लब के पूर्व क्षेत्रीय अध्यक्ष लायन पदमचंद जैन, श्रीमती कमला देवी खटोड़, विमलेश जैन, क्लब के पूर्व क्षेत्रीय अध्यक्ष लायन पदमचंद जैन ,जयपुर निवासी श्रीमती सुनीता अरविंद बंब के सहयोग से दो गीजर दस लीटर क्षमता के लाडली घर में प्रदान किए गए। क्लब अध्यक्ष लायन रूपेश राठी ने बताया कि कार्यक्रम संयोजक लायन अतुल पाटनी के संयोजन में लाडली घर की दृष्टिहीन बालिकाओं के गर्म पानी की आवश्यकता की पूर्ति के लिए 2 गीजर 10 लीटर क्षमता के प्रदान किए गए। इस अवसर पर श्रीमती कमला देवी खटोड़, विमलेश जैन,लायन पदम चंद जैन, मधु जैन,अंजली जैन,नरेश जैन, गौरव जैन,लायन अर्पित जैन आदि मोजूद रहे। अंत में राष्ट्रीय संत श्री कृष्णानंद जी स्वामी महाराज ने सेवा सहयोगियों के प्रति आभार ज्ञापित करते हुए अपना आशीर्वाद दिया। -**लायन रूपेश राठी, अध्यक्ष**

मौन से अपने आप ताकत बढ़ती है: आचार्य प्रसन्नसागर जी

नागपुर. शाबाश इंडिया

अन्तर्मना आचार्य प्रसन्न सागरजी, महाराज कुलचाराम से बद्रीनाथ अहिंसा संस्कार पदयात्रा नागपुर से नसीहत वह सच्चाई है जिसे हम गौर से नहीं सुनते, और तारीफ वो धोखा है जिसे हम हर वक्त सुनना पसंद करते हैं..! इसलिए धैर्य से काम लें, किसी भी बात का जल्दी जबाव न दें। यदि आपको कोई उत्तेजित करता है, तो आप जल्दी उत्तेजित ना हो, ना जल्दी जवाब दें। जवाब देने या लिखकर भेजने से पहले कुछ समय शान्त हो जायें। ध्यान रखें -- इन्टरनेट के इस दौर में आप ऐसा कुछ भी लिखकर ना छोड़ें जो बाद में आपकी परेशानी बन जाये। किसी भी बात की जल्दी प्रतिक्रिया ना दें। किसी अपने अच्छे निष्पक्ष दोस्त से सलाह लेकर फिर प्रतिक्रिया दें। कोई आपके लिये कुछ अच्छा या बुरा बोल रहा है तो चिन्तन और मन्थन करें। ध्यान रखें -- जब आप सफलताओं के शिखर पर पहुँचने लगते हैं, तो आपके अपने ही कुछ लोग असहज हो जाते हैं और आलोचना करना शुरू कर देते हैं। आज के इस दौर में आलोचना ही सफलता की निशानी है। जो हम देंगे वापिस वही हमें मिलेगा। सबके अन्दर एक ताकत होती है सहन करने की और ना सहन करने की। मछली जंगल में दौड़ नहीं सकती और शेर पानी का राजा नहीं बन सकता। सबमें अपनी खूबी तो किसी में खामियां होती है। एक समय था जब लोगों को जादू पर भी यकीन हो जाता था। आज लोगों को हकीकत पर भी यकीन नहीं होता। सोचो कभी ऐसा हो तो क्या हो...। आचार्य प्रसन्नसागर ने कहा कि, मौन रखने से ताकत अपने- आप बढ़ती है। बोलने वाला किसी की वाणी को आत्मसात नहीं कर सकता। एक साथ सुनना और बोलन संभव नहीं है, इसलिए मुनिश्री आहार के समय मौन रहते हैं। मौन रहने पर भगवान रू-ब-रू हो जाते हैं। भगवान के दरबार में भोले बनकर जाओगे, तो दर्शन प्राप्त होगा। पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर सदर में आचार्य ने प्रवचन में यह उद्बोधन किया। जैसा करोगे, वैसा फल मिलेगा संघस्थ सहजसागर महाराज ने कहा कि, आज तक नवधा भक्ति बताया करते थे। वे खुद ही नवधाभक्ति ओमकार में एनर्जीः आचार्य ने कहा- पूरी एनर्जी ओमकार में है। ओमकार में पांचों परमेष्ठी समाहित है। तीर्थंकर के जन्म और केवल ज्ञान कल्याणक के समय तीनों लोक उर्ध्व, मध्य और अधो लोक में थोड़ी देर के लिए शांति मिलती है। योगी नित्य ध्यान करते हैं। सुबह उठते ही जुबान तालू से लगाकर ओमकार ध्वनि निकालो। उसके साथ जो काम है, उसका उच्चारण करो। वह काम सिद्ध हो जाएगा। पानी गन्ने के खेत में गया, तो मीठा, नीम के पेड़ में गया, तो कड़वा और शिप में गया, तो मोती बन जाता है। भगवान के अभिषेक में गया, तो गंधोदक बन जाता है। वैसे ही वाणी का जैसा उपयोग करोगे, वैसे ही उसका फल मिलेगा। कभी निगेटिव सोच मत रखना। भगवान के स्थान पर भगवान्न, संत निवास में संत, जीनवाणी के स्थान पर जीनवाणी ही होती है। सभी तीर्थकर क्षेत्रीय और गणधर ब्राह्मण थे। जैन धर्म सर्वव्यापी है। महाव्रती बन गए। जिनेंद्र देव के भक्ति से सम्यग्दर्शन, आगम के भक्ति से सम्यग्ज्ञान और गुरु की भक्ति से सम्यग्चरित्र प्राप्त होता है। जैसा करोगे, वैसा फल मिलेगा। मायाचारी करने से तीर्यच गति में जाना पड़ता है। संतों के आशीर्वाद से ही भारत में सब व्यवस्थित चल रहा है। इस अवसर पर सेनगण मंदिर के अध्यक्ष सतीश पेंढारी, महामंत्री पंकज बोहरा उपस्थित थे। विधायक तुमाने ने लिया आशीर्वाद विधायक कृपाल तुमाने आचार्य को श्रीफल चढ़ाकर आशीर्वाद लिया। **इस अवसर पर उन्होंने कहा कि पांचवां आचार्य पदारोहण आजः** 29 नवंबर में अंतर्मना गुरुदेव का पांचवां आचार्य पदारोहण दिवस धूमधाम से मनाया जाएगा। सुबह 8 बजे मानस्तंभ का भूमिपूजन होगा। **नरेंद्र अजमेरा पियुष कासलीवाल औरंगाबाद**

राजस्थान जैन युवा महासभा जवाहर नगर, मालवीय नगर, आदर्श नगर, सेठी कॉलोनी एवं जनता कॉलोनी के महामंत्री

श्री विनोद-श्रीमति सुधा जैन

को 30 नवम्बर

वैवाहिक वर्षगांठ

की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

शुभेच्छुः समस्त मित्रगण एवं परिवार जन

JAIN APPLIANCES

A HOUSE OF ELECTRONIC

B 3, Opposite Pink Square,

Sindhi Colony, Jaipur- 7014436411, 0141-261800

राजस्थान जैन सभा

कार्यकारिणी सदस्य चुनाव-2024

रविवार, दिनांक 8 दिसम्बर 2024

समय : प्रात: 8.15 बजे से सायं 5.15 बजे तक

स्थान : महावीर स्कूल प्रांगण, सी-स्कीम, जयपुर

बेलेट नंबर 12

राकेश गोदिका

संपादक-शाबाश इण्डिया

(94140 78380)

को कार्यकारिणी सदस्य पद हेतु अपना मत एवं समर्थन देकर भारी मतों से विजयी बनाये.....

राजस्थान फोरम की डेजर्ट सोल सीरीज में संजय रायजादा और वरिष्ठ रंगकर्मी श्री राजेंद्र सिंह पायल के बीच सुंदर संवाद

संजय रायजादा ने अपनी गायन यात्रा में कई फिल्मी और गैर-फिल्मी गानों को प्रस्तुत किया है, जिनमें उनके आवाज का जादू श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर देता है। इस दौरान उन्होंने गायन के अलावा संगीत में सच्ची समझ, समर्पण और परिश्रम के महत्व को भी विस्तार से बताया।

गायकी केवल कला नहीं, आत्मा से आत्मा का संवाद है: संजय रायजादा

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान फोरम की डेजर्ट सोल सीरीज में आज एक खूबसूरत और प्रेरणादायक संवाद हुआ, जिसमें प्रसिद्ध पार्श्व गायक संजय रायजादा से वरिष्ठ रंगकर्मी राजेंद्र सिंह पायल ने उनकी संगीतिक यात्रा, अनुभव और कला पर गहरी बातचीत की। यह संवाद संगीत और कला की गहरी समझ को साझा करने का एक शानदार अवसर बना, जहां संजय रायजादा ने अपने तीन दशकों के सफर पर प्रकाश डाला। इस संवाद के दौरान संजय रायजादा ने विशेष रूप से यह बताया कि किसी भी पेशे में सफलता हासिल करने के लिए निरंतर अभ्यास और समर्पण सबसे महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने अपने अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि उन्होंने अपने गायन की यात्रा में कभी भी आत्मसंतुष्टि नहीं दिखाई, बल्कि हमेशा अपने कौशल को और अधिक बेहतर बनाने के लिए कड़ी मेहनत की। उन्होंने बताया कि यह अभ्यास और संघर्ष ही उन्हें सफलता की ओर ले गया। इसके अलावा, संजय रायजादा ने अपनी यात्रा में एक महत्वपूर्ण मोड़ को याद करते हुए बॉलीवुड के प्रसिद्ध संगीतकार आनंद जी (कल्याण जी आनंद जी संगीत जोड़ी) का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि आनंद जी के साथ उनका अनुभव उनके लिए अविस्मरणीय रहा और उनकी संगीत की समझ ने संजय रायजादा को एक कलाकार के रूप में आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने विशेष रूप से आनंद जी की सराहना की और कहा कि उनकी प्रेरणा और मार्गदर्शन से ही वह आज इस मुकाम तक पहुंचे हैं। संजय रायजादा ने अपनी गायन यात्रा में कई फिल्मी और गैर-फिल्मी गानों को प्रस्तुत किया है, जिनमें उनके आवाज का जादू श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर देता है। इस दौरान उन्होंने गायन के अलावा संगीत में सच्ची समझ, समर्पण और परिश्रम के महत्व को भी विस्तार से बताया। इस संवाद के दौरान राजेंद्र सिंह पायल ने संजय रायजादा के गायन कला की सराहना करते हुए कहा कि उनकी आवाज में एक गहरी भावना और आत्मिक सुकून है जो सीधे श्रोताओं के दिलों में पहुंचती है। कार्यक्रम के अंत में राजस्थान फोरम के सदस्य संजय कौशिक, पद्मश्री शाकीर अली, और पद्मश्री मुन्ना मास्टर ने संजय रायजादा को उनकी उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर शहर के प्रतिष्ठित संस्कृति प्रेमी भी बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

मनाया आठवां गुरु उपकार दिवसः गुरुमां विज्ञाश्री माताजी

गुन्सी, निवाई. शाबाश इंडिया

श्री दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ गुन्सी जिला टोंक राजस्थान की पावन धरा पर विराजमान भारत गौरव गणिनी गुरुमां विज्ञाश्री माताजी के कर कमलों से दीक्षित त्रय माताजियों का आठवां गुरु उपकार दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। प्रतीक जैन सेठी ने बताया की इस अवसर पर पूज्य गुरु मां के पाद प्रक्षालन,शास्त्र भेंट एवं भक्ति भावों के साथ पूजन की गई। इस अवसर पर गुरुभक्त प्रकाश छाबड़ा,शांतिलाल अजमेरा मालवीय नगर जयपुर,मनीष जैन मालपुरा प्रकाश जैन मुकेश जैन टोंक सपरिवार उपस्थित हुए। केकड़ी, मालपुरा, जयपुर, निवाई, चाकसू, देवली, फागी, टोंक, कोटा,मुंगावली,रुपनगढ से पधारे हुए भक्तों ने इस आयोजन में सहभागिता निभाई। पूज्य गुरुमां ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहां कि दीक्षा जीवन का सबसे अनमोल पल है। इस पल से ही जीवन एक नई दिशा की ओर गतिमान हो जाता है। तीनों माताजियों को मोक्ष मार्ग की ओर निरंतर बढ़ने हेतु पूज्य गुरुमां ने आशीर्वाद दिया। निरंतर यात्रियों का आवागमन इस क्षेत्र पर दर्शनार्थ हो रहा है। प्रतीक जैन सेठी ने बताया की आगामी 15 दिसंबर को पिच्छिका परिवर्तन समारोह का भव्य आयोजन किया जाएगा।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com